

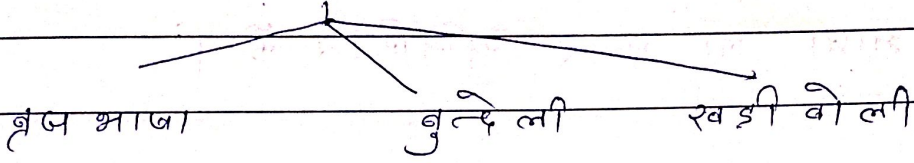
मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न
संख्या

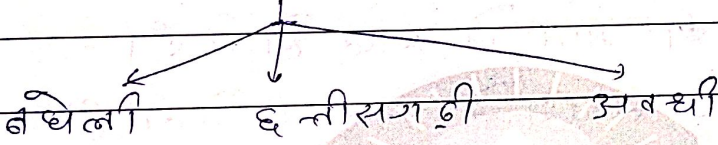
1 A

पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ



B

अध्वनिवाची अपभ्रंश की भाषा



C

सूरदास भाषा → बज्ज

लिपि → देवनागरी

ग्रन्थ → सूरसागर

D

तालव्य स्वनियाँ

ऐसी स्वनियों का उच्चारण तालु के माध्यम से होता है।

उदाहरण → च, छ, ज, झ

E

अनुसूची 8 की भाषाएँ → सिंधी, नेपाली, कोङ्कणी

F

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

६

अनुच्छेद 1- संघ का यह दायित्व होगा कि वह हिन्दीभाषा का प्रसार सुनिश्चित करे।

७

मातृभाषा की विशेषता

(i) जन्म से ही माता से प्राप्त होती है।

(ii) परिवार व समाज में प्रमुख होती है।

(iii) इसे साहित्य में स्थान प्राप्त हो यह जरूरी नहीं तथा इसकी व्यापकता कम होती है।

८

पल्लवन

पल्लवन से तात्पर्य है "चयन" करना।

पल्लवन किसी की गई पंक्ति का शब्द स्पष्ट करने हेतु किया जाता है।

इसमें केवल मूल बातों को ही शामिल किया जाता है तथा एक अनुच्छेद में ही पूर्ण किया जाता है।

९

संक्षेपण

किसी दूर गुरु गद्य को एक तिहाई में मूल बातों समेत संक्षुप्त करना संक्षेपण कहलाता है।



महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट

For Civil Services

९G-13, Veda Business Park, Indore | 80731-4955044

९132, M.P. Nagar, Bhopal | 8Ph. 0755-4296457

Facebook.com/mgics

@/mgicsindoreofficial

https://www.youtube.com/mahatmagandhinstituteMgics

t.me/MGICS

www.mgicsindore.com

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

K

अनुवादक के गुण

(अ) अनेक भाषाओं का ज्ञान हो।

(ब) व्याकरण का ज्ञान हो।

(स) अनुवादक की पद्धति का सब भाव का ज्ञान हो।

L

औपचारिक पत्र

(अ) वह पत्र जो शासकीय उद्देश्य हेतु, एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय भेजे जाते हैं।

(ब) इनमें अन्य पुरुष का सहयोग होता है। धर्मवाक्य समाप्तार्थी शब्दों का सहयोग नहीं होता।

(स) औपचारिक शब्दावली सब मानक भाषा का सहयोग होता है।

m

प्रकाशन

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

सामान्य ज्ञान

3

पृष्ठांकन

यह किसी पत्र का प्रतिलिपि वाला हिस्सा होता है जिसका प्रारम्भ मूल पत्र के बाद ही प्रारम्भ होता है।

मूल पत्र के बाद पुनः कर्मांक एवं पृष्ठांकन लिख कर अन्य अधिकारियों को सूचनाएँ एवं कार्यवाही के निर्देश लेते हैं।

4

अधिकरण कारक

वे कारक जो किसी एक शाख का दूसरे से संबद्धता प्रदर्शित करते हैं।

उदाहरण प्रो. पर

5

संकर शब्द

2 शब्दों से मिल कर बने शब्द

त + र → प्र
क + द → प्र

उपसर्ग

वे शब्द जो किसी शब्द के पहले जुड़ कर विभेद अर्थ देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

उदाहरण → अन् कारण → अकारण

अति + शीघ्र → अतिशीघ्र

प्र + मान → प्रमाण

गुण संधि

अ + ई → ऐ होता है।

अ + उ → औ

उदाहरण → महा + ईश → महेश

नवन उदय - नवोदय

वृद्धि संधि

अ + र → ऐ होता है

अ + औ → औ

उदाहरण → एक + एक → एकैक

महा + औषध → महौषध

📍 G-13, Veda Business Park, Indore | 📞 0731-4955044

📍 132, M.P. Nagar, Bhopal | 📞 Ph. 0755-4296457

श्न
व्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

R

समास

दो या अधिक शब्द मिल कर नया शब्द बनाते हैं तथा बीच के शब्दों का विलोप होता है।

इनका विग्रह करके अर्थ स्पष्ट किया जाता है।

उदाहरण → नवग्रह → नव ग्रहों का समूह

मिथुन की संज्ञा - आबंवाचक संज्ञा

S

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए
में न
लिखे

Due to political and economical reason limitations of castes are increases and decreases also.

after gaining of political power castes which are consider as lower caste become higher and by economic empowerment Shudra (depressed) become Vaishya (Traders caste)

In reality these factor improve more social status than religious movement.

It means that there are only method to empower these castes by providing them social and political right when it done.

on this day indian gain freedom in reality.

Desendent of god concepts ~~are~~ ^{was} accepted earlier but it's not really profitable

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

अनुवाक

3

हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमारे देश में अनेक जाति की बुराईया समझ आ रही हैं। शूद्राचार, घूसखोरी एवं कदाचार सर्व्व खास ही न केवल सामान्य बल्कि अधिक उन्नत श्रेणी प्रशासक भी इस दुष्कर्म में शामिल हैं। इन बुराईयों का अंत करना आवश्यक है।

किन्तु हमें अपने विद्यार्थी एवं युवाजनो को संस्थानात्मक संजनात्मक विधि से ऐसा करने का आह्वान करना चाहिए न कि विनाशात्मक तरीकों द्वारा।

तथ्य यह है कि विद्यार्थियों को दूषित राजनीति में लिप्त होने के बजाय अपने अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए।

शिक्षा व ज्ञान मानव के सबसे बड़ी पूंजी है इसे गवा कर हम धुक्को के प्रभाव को रोक नहीं कर सकते। इसके बावजूद यदि हमारे विद्यार्थी एवं युवाजन की देश में परिवर्तन की अभिलाषा है हम उनके स्वयं स्वागत हेतु सहज एवं सम्मान के साथ तैयार हैं।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

संक्षेप

4

तुलसीदास 'राम-चरित-मानस' में काक शूशुण्डी व गरुड संवाद के माध्यम से न मानव हेतु अमूल्य प्रश्नों के उत्तर देते हुए वे बताते हैं कि सबसे बड़ा दुःख निधनता है, व सबसे बड़ा सुख संतमिलन है न कि आर्थिक संपन्नता।
शीर्षक - 'यथाथी सुख'

भाव पल्लवन

बड़ा सुख कबन कबन सुख भारी

यह पंक्तियाँ राम-चरित-मानस में गरुड व काक शूशुण्डी संवाद से ली गई हैं। इसमें गरुड काक शूशुण्डी से प्रश्न करते हैं और काक शूशुण्डी उन्हें यथाथी उत्तर देते हैं।

To Create a better Nation

उनका प्रश्न था : 'सबसे बड़ा सुख और सबसे बड़ा दुःख कौनसा है'

सुख व दुःख मानव जीवन के अनिवार्य भाग हैं। लक्ष्मि की लीसा एवं आवना ही इन दोनों गुणों की अनुभूति देती हैं।

यह भी देखा गया है कि लक्ष्मि - लक्ष्मि के बीच सुख व दुःख के पथ भी अलग

होते हैं।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए
में न
लिखे

किसी के लिए धन सबसे बड़ा सुख है तो
किसी के लिए 'मान' ही सबकुछ है।

वही किसी हेतु दरिद्रता ही सबसे बड़ा दुःख है
तो किसी के लिए अपनों का विमोचन होना।

तो इस प्रकार सबसे बड़ा सुख व दुःख का लंब व
हल्कि कोण पर निर्धार करवा है।

भावपल्लवन

दरिद्रता के समान दुःख नहीं तथा सैत मिलन
समान सुख नहीं।

→ रामचरित मानस के तुलसीदास जी के अनुसार
सबसे बड़ा दुःख दरिद्रता है।
क्यों कि दरिद्रता अनेक समस्याओं का दुःखक साध
बाली है।
यदि कोई व्यक्ति दरिद्र है -

वह भोजन, वस्त्र, आवास
अनुकूल जीवनस्तर से वंचित रहेगा। वर्तमान व्यवस्था
में सम्मान भी सम्पन्नता पर ही प्राप्त होता है।
यदि आप दरिद्र हैं तो स्वर्ण को कोने पर ही प्राप्त
करेंगे स्वयं उपेक्षित रहेंगे।

📍 G-13, Veda Business Park, Indore | 📞 0731-4955044

📍 132, M.P. Nagar, Bhopal | 📞 Ph. 0755-4296457

अंश
ख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

दूसरे पंक्ति में वे कहते हैं कि संतमिलन ही सच्चा सुख है।

ऐसा इसलिए जो कि भारतीय संस्कृति हमेशा से ही आस्थात्मवादी रही है न कि उपभोगवादी।

भारतीय संस्कृति संत की लाह दान वर विश्वास रखती है। यह सभ्यता दान के साथ ज्ञान पर आस्था रखती है और संत ज्ञान के उन्हें माने जाते हैं।

ज्ञान ही समस्त दुखों को शांत करती है तथा संतुष्टि पैदा करती है। अब ज्ञान के शांत संतों का मिलन ही सच्चा सुख है।

To Create a better Nation

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

5

परिपत्र

जब कोई सूचना एक साथ अनेक कार्यालयों को भेजनी हो तो परिपत्र तैयार करते हैं।

परिपत्र

कार्यालय/विभाग

का नाम / स्थान

रुमांक ---/---/---

दिनांक ---/---/---

प्रति,

समस्त

विषय -

संदर्भ -

यह लेख है कि,

हस्ताक्षर

(अ.ब.स.)

विभाग

आदेशानुसार

प्रका. क्र. -

प्रति लिपि -

का कार्यवाही हेतु

का सूचनाधी

क्रम
क्रमांक

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हासिए
में न
लिखे

अनुस्मरण

जाब पूर्व पत्र के संदर्भ में कार्यवाही न की गई हो
तो कार्यवाही हेतु पुनः अनुस्मारक पत्र लिखा जाता है।

कार्यालय/ विभाग

का नाम/स्थान

क्रमांक / --- / ---

दिनांक / --- / ---

अनुस्मारक-1

प्रति,

विषय- पत्र क्रमांक --- कार्यवाही हेतु

संदर्भ - पूर्व पत्र क्रमांक ---

महोदय,

पत्र क्रमांक --- / --- के संदर्भ में
लखित कार्यवाही की जावे।

अबदीय

हस्ताक्षर

पद

कार्यालय

संख्या

मुख्य पराक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

(अ) अंधे के हाथ बँटोर लगाना।

अर्थ- अयोग्य व्यक्ति को महत्वपूर्ण पद मिल जाना।

प्रयोग-

भयंकर का गाँव के शरारती बच्चों में नाम था किन्तु रेलवे में जमीन लगते से उसे सरकारी नौकरी मिल गई। इसे कहते हैं अंधे के हाथ बँटोर लगाना।

(ब) कान पर जूँ न देगना।

अर्थ-

असंवेदनशील होना।

प्रयोग- भ्रूवभरी से इधोपिया में लोग मरते रहे किन्तु संयुक्त राष्ट्र संघ के कानों में जूँ नहीं देगा।

(क) दाती पर साँप लोटना।

अर्थ-

इच्छा करना।

प्रयोग- रोहित शर्मा के शतरुज लगाने ही

बिराट रोहली के पुरांडको ही दाती में साँप लो



महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट

For Civil Services

G-13, Veda Business Park, Indore | 80731-4955044

132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457

https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics | t.me/MGICS | www.mgicindore.com

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए
में न
लिखे

प्रश्न
संख्या

E

(E) अतका बतिया देत उधार ।

अर्थ- स्वयं बिपनि मे हो कर सुझाव देना ।

प्रयोग- रोहित स्वयं ले सिविल सेवा परीक्षा में
उत्तीर्ण न हो सका पर गाँव शर के
लोगों को जान बाटता फिरता है ।
इसी को कहते हैं 'अतका बतिया देत
उधार' ।

(F) आ बेल मुझे भार ।

अर्थ- स्वयं बिपनि मोल लेना ।

प्रयोग- इबती हुई स्यनी मे निवेश करना मुखिता पूर्ण
उत्तम रह्य होगा । यह ठी

(G) आ बेल मुझे भार ।

अर्थ- स्वयं बिपनि मोल लेना

प्रयोग- बिजय ने इबती स्यनी मे निवेश किया
और रुझाव बन गया । इसी को कहते हैं

आ बेल मुझे भार ।

संख्या

7

(2) Agent → अभिकर्ता

(3) Civil disobedience - सविनय अवज्ञा

(4) Capital - पूंजी

(5) Nationalisation - राष्ट्रीयकरण

(6) Valid - वैध

सुरभ + इन्द्र

8

(A) सुरभ + इन्द्र → गुण स्वर संधि

(B) संधि → सम् + धि → संयुक्त संधि

(C) अम्ल → क्षार

(E) काल सूट - गराल, विष, जहर, हिनसक

(F) सन्मार्गि → सत् + मार्गि → सत् उपस्थिती

9

1. शीर्षक- मुद्रास्फिति

2. लाभ → जब मुद्रा के बदले में वस्तु एवं सेवाएं ली जा सकें।

3.

मुद्रास्फिति अर्थ →

वस्तु एवं सेवाओं के मूल्य में वृद्धि हो अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं।

4. मुद्रास्फिति में वृद्धि कब होती है?

(अ) सरकार जब केंद्रीय बैंक से उधार ले।

(ब) निजी क्षेत्र जब बैंकों से उधार ले।

(स) निर्यात, आयात से ज्यादा हो।

(द) प्रवासी भारतीय जब भारत में धन प्रेषित करें।

(ध) निर्यात राशि सक्रिय में बदल जाए।

176

प्रतिवेदन

दिनांक →

स्थान →

विषय → नई दिल्ली में दिनांक 10-9-2020 को संपन्न क्वाड (अमेरिका-जापान-भारत-आस्ट्रेलिया) देशों के सम्मेलन की सफलता की जांच हेतु 11-11-2020 को डा. अबुल की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया। जिसके अन्य 2-सदस्य करवग तथा पकब रहे। यह समिति निर्धारित समय में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रही है। जो निम्नानुसार है:-

1. यह आयोजन नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में किया गया। जहाँ चारों देशों के राष्ट्रपति/मुख्य मंत्रियों (संलग्न → आडियो - वीडियो रिकार्ड) के बीच - परस्पर अरबों ता, संप्रभुता की रक्षा, परस्पर आर्थिक सहयोग, तटनीति सहयोग की सहमति बनी।

(संलग्न → हस्ताक्षरित सम. औ.पू की प्रतिलिपि)

2. सभी देशों के बीच - परस्पर अरबों ता, संप्रभुता की रक्षा, परस्पर आर्थिक सहयोग, तटनीति सहयोग की सहमति बनी।

(संलग्न → हस्ताक्षरित सम. औ.पू की प्रतिलिपि)

3. दक्षिण चीन सागर में चीन के बढ़ते हुए प्रभाव को कम करने हेतु परस्पर सहयोग की सहमति बनी। (संलग्न - वीडियो - आडियो रिकार्ड)

(संलग्न - वीडियो - आडियो रिकार्ड)

प्रश्न
संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए
में न
लिखे

क. भारत के राष्ट्रपति जी ने त्रिद्वीप शान्ति एवं
आतंकवाद मुक्त विश्व निर्मित हेतु परस्पर
सहयोग का आह्वान किया।

(संलग्न - न्यूज रिपोर्ट)

निर्णय →

यह सम्मेलन अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सफल रहा
कारण देशों ने परस्पर सहयोग हेतु प्रतिबद्धता जताई।

सुझाव

(i) दक्षिण-चीन सागर में चीन को संकुचित करने
के लिए आर्थिक व सैन्य दबाव बनाता सकयी हैं।

(ii) देशों के मध्य सामाजिक आर्थिक राजनैतिक
संबंध बढ़ाए जाने चाहिये।

(iii) अस्थिर मंचों में एक दूसरे के लिए साथ रबड़ा
दीना सकयी हैं।

हस्ताक्षर (अध्यक्ष)

(म.प्र.स)

प्रश्न
संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

संक्षेप हस्ताक्षर

1.

2.

प्रतिलिपि एवं रिपोर्ट

1. _____

2. _____

3. _____

MGIC

To Create a better Nation